BOARD ZONE

# RBSE

## CHAPTERWISE PYQ

# हिन्दी

2013 - 2026

Class 12

# हिंदी

1. अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश ..... 2
2. अपठित बोध (ख) अपठित पद्यांश ..... 10
3. निबन्ध लेखन ..... 18
4. पत्र व प्रारूप लेखन ..... 21
5. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन ..... 23
6. व्यावहारिक व्याकरण ..... 26
7. सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग ..... 32
8. सप्रसंग व्याख्या (पद्य भाग)..... 36
9. पाठयपुस्तक - आरोह (गद्य खंड) ..... 41
10. पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड) ..... 46
11. पाठयपुस्तक – वितान ..... 51

# TOPIC = अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश

1. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
**( प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है )**

धर्म का वास्तविक गुण तब प्रकट होता है जब हम जीवन का सत्य जानने के लिए और इस दुनिया की दया और क्षमा योग्य वस्तुओं में वृद्धि के लिए निरन्तर खोज करते हैं और सततअनुसंधान करते हैं । अनुसंधान या खोज की लगन और उन उद्देश्यों का विस्तार जिन्हें हम प्रेमअर्पण करते हैं, ये वास्तविक रूप में आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष होते हैं । हमें सत्य की खोज तब तक करते रहना चाहिxए जब तक हम उसे पा न लें और उससे हमारा साक्षात्कार न हो । जो कुछ भी हो, हर मनुष्य में वही तत्त्व मौजूद है, अतः वह हमारे प्यार और हमारी सद्भावना का अधिकारी है । समाज और सारी सभ्यता केवल इस बात का प्रयास है कि मनुष्य आपस में सद्भाव के साथ रह सकें । हम इस प्रयास को तब तक बनाए रखते हैं। जब तक सारी दुनिया हमारा अपना परिवार न बन जाए।

(i) धर्म का वास्तविक गुण कब प्रकट होता है ?
(ii) आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष कौन-से हैं ?
(iii) हर मनुष्य में कौन-सा तत्त्व मौजूद है ?
(iv) मनुष्यों को आपस में सद्भाव का प्रयास कब तक करते रहना चाहिए ?

(RBSE 2013)

2. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
**( प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है )**

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा, शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है । वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे । उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृ भाषा की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस-पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए; रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो । गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की । गांधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है । भारतीय समाज जब-जब भटकेगा तब-तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे ।

(i) गांधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ?
(ii) 'गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे.. ' यह किस प्रकार का वाक्य है; बताते हुए परिभाषा भी लिखें ।
(iii) 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए ।
(iv) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

(RBSE 2014)

3. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
**( प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है )**

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश-प्रेम का होना परमावश्यक है । जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र-कल्याण की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील होता है । देशप्रेम के पूत-भाव से मण्डित व्यक्ति देशवासियों की हित-साधना में, देशोद्धार में तथा राष्ट्रीय प्रगति में अपना जीवन तक न्यौछावर कर

15. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । [1×6=6M]

जीवित रहना स्वयं एक कर्म है, जो जीवित है, वह कर्म करेगा ही । कर्म रहित स्थिति मृत्यु है । महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि हर मनुष्य को अपने स्वभाव और योग्यता के अनुसार अथवा यों कहो कि स्वधर्मानुसार कर्म का चयन करने में स्वतंत्रता होनी चाहिए । जो कर्म मनुष्य की योग्यता और स्वभाव के अनुकूल होगा, वही उसके लिए शुभ भी होगा । उसी कर्म को पवित्र निःस्वार्थ भाव से करना अपने साथ मित्रता निभाना है । जो अपने से मित्रता करता है वह दूसरों को भी प्रिय हो जाता है ।

(i) कर्म रहित स्थिति है –
(अ) जीवन की
(ब) मृत्यु की
(स) कर्मनिष्ठा की
(द) श्रमनिष्ठा की

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त स्वधर्मानुसार शब्द में संधि है –
(अ) दीर्घ संधि
(ब) गुण संधि
(स) वृद्धि संधि
(द) यण् संधि

(iii) कौन-सा मनुष्य दूसरों को भी प्रिय हो जाता है ?
(अ) जो निःस्वार्थ भाव से व्यवहार नहीं करता है
(ब) जिसका स्वभाव सहृदयता के प्रतिकूल हो
(स) जो स्वयं से मित्रता करता है
(द) जिसमें योग्यता का दर्प हो

(iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।
(v) मनुष्य को क्या करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए ?
(vi) मनुष्य की स्वयं से मित्रता निभाने की क्या कसौटी है ?

(RBSE 2026)

# TOPIC = व्यावहारिक व्याकरण

## भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय

1. भाषा के कितने प्रकार होते हैं ? [1M]
   (अ) एक
   (ब) दो
   (स) तीन
   (द) चार

(RBSE 2021)

2. देवनागरी किस भाषा की लिपि नहीं है ? [1M]
   (अ) संस्कृत
   (ब) हिंदी
   (स) मराठी
   (द) पंजाबी

(RBSE 2021)

3. भाषा का लिखित रूप ही _____ कहलाता है । [1M]

(RBSE 2022)

4. भाषा को शुद्ध लिखने व बोलने संबंधी जानकारी देने वाले शास्त्र को_____कहते है । [1M]

(RBSE 2023)

5. मौखिक भाषा को लिखित रुप के लिए लेखन चिहनों का प्रयोग किया जाता है उसे _____कहते है। [1M]

(RBSE 2024)

6. निम्नलिखित में से भाषा का सीमित, अविकसित तथा आम बोलचाल वाला रूप कहलाता है - [1M]
   (अ) भाषा
   (ब) लिखित भाषा
   (स) बोली
   (द) खड़ी बोली

(RBSE 2024)

7. भाषा की ध्वनियों को जिन लेखन चिह्नों में लिखा जाता है उसे क्या कहते हैं? [1M]
   (अ) भाषा
   (ब) लिपि
   (स) बोली
   (द) स्वर

(RBSE 2025)

8. एक सीमित क्षेत्र में बोले जाने वाले भाषा के स्थानीय रूप को कहा जाता है - [1M]
   (अ) बोली
   (ब) स्वर
   (स) व्यञ्जन
   (द) भाषा

(RBSE 2025)

# पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)

## 1.हरिवंश राय बच्चन ( 1.आत्मपरिचय, 2.एक गीत )

1. 'कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता 'आत्म-परिचय' अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का बोध कराती है।' उपर्युक्त कथन की उदाहरण सहित व्याख्या 'आत्म-परिचय' कविता के आधार पर कीजिए। [4M]
(RBSE 2018)

2. 'आत्म-परिचय' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
(RBSE 2020)

3. हरिवंश राय बच्चन का कवि परिचय लिखिए । [4M]
(RBSE 2022, 2023, 2025)

4. 'एक गीत' शीर्षक कविता किस संग्रह से ली गई है? [1M]
अ) कोई दूसरा नहीं
ब) इन दिनों
स) बात सीधी थी पर
द) निशा-निमंत्रण
(RBSE 2025)

5. हरिवंशराय बच्चन का काव्य दर्शन है – [1M]
(अ) छायावाद
(ब) हालावाद
(स) प्रगतिवाद
(द) प्रयोगवाद
(RBSE 2026)

## 2.आलोक धन्वा (पतंग)

6. 'पतंग' कविता में किन-किन बिम्बों को चित्रित किया है? [2M]
(RBSE 2023)

7. 'आलोक धन्वा' का कवि परिचय लिखिए । [4M]
(RBSE 2024)

8. बच्चों को छतों के खतरनाक किनारों से गिरने से कौन बचाता है ? [1M]
(RBSE 2026)

BOARD ZONE

# RBSE 2026 TOPPERS

30+ STUDENTS SCORED 90% & ABOVE

EXCELLENCE. DEDICATION. SUCCESS.

TANISHA JAIN

ADITYA RAJ CHOHAN

SIMMI CHOUDHARY

*Proudly Dedicated by Students!*

## 30+ STUDENTS SCORED MORE THAN 90%

MUSTAFA BHAILA

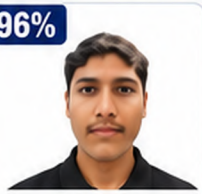


GAURANSH

MITHLESH KR. JHA

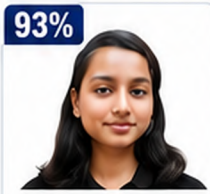


RAKSHITA

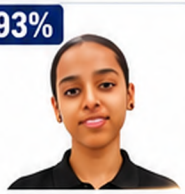


VINITA RATHORE

KHUSHBU BISHNOI

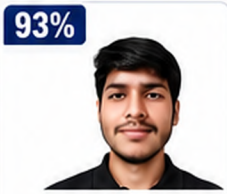


PRAHLAD YADAV

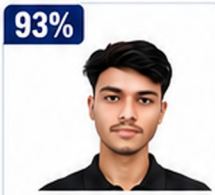


BHAVY DAMOR

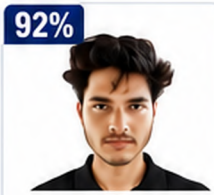


ANUJ SAINI

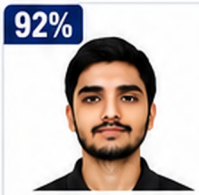


VISHAL SAIN

GOURAV NAWANI

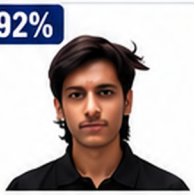


KHUSHAL LABANA

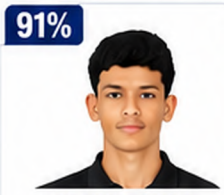


VARUN LOHAR

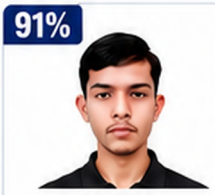


ASHISH

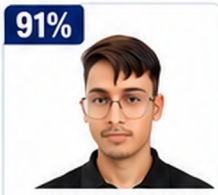


ANKIT SHARMA

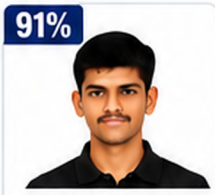


KOUSHIK UPADHYAY

TAVISH MOHAMMAD

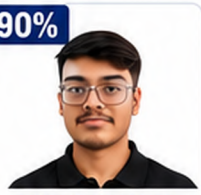


PARTH CHITTORA

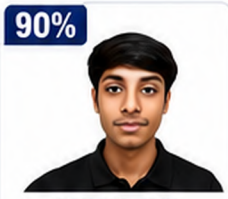


SANJOG JAIN

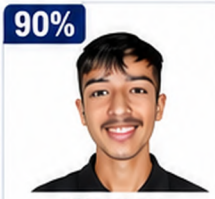


ARMAN ALI

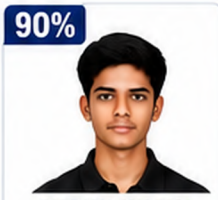


RIDDISH SHARMA

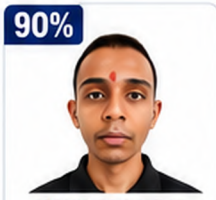


MONIL PRAJAPAT

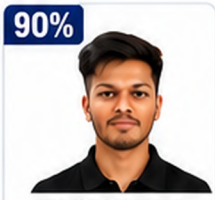


KESHAV GURJAR

ENDLESS RESULTS MORE...

*~ Results Claimed by Students ~*

BOARD ZONE · WHERE LEGACY MEETS LEARNING